सुझाई गई गतिविधियाँ

सप्ताह एक

विषय-पर्यावरण/प्रकृति

1. स्कूल परिसर के आसपास / पास के बगीचे / बाग / वनस्पति पार्क / मैदान / जंगल आदि में प्रकृति की सैर करें। छात्रों को विभिन्न पौधों / झाड़ियों / पेड़ों / फसलों को देखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा और वे आपस में इनके बारे में बात कर सकते हैं। एक-दूसरे की अपनी भाषा में।
2. छात्रों को पूरे स्कूल परिसर का चक्कर लगाने, वहां मौजूद वनस्पतियों और जीवों की पहचान करने और विभिन्न भाषाओं में उनके नाम जानने के लिए कहा जाएगा। लेबलिंग भी उनके द्वारा की जा सकती है। यह गतिविधि चित्र दिखाकर भी हो सकती है।
3. छात्रों को स्कूल आते समय या किसी भी उद्देश्य से इधर-उधर जाते समय गिरे हुए पत्ते उठाने के लिए कहा जा सकता है, उन्हें एक एल्बम तैयार करने और शिक्षकों, अभिभावकों और उद्यान विशेषज्ञों से विभिन्न भाषाओं में इन पत्तों के नाम जानने के लिए कहा जा सकता है।
4. छात्रों को विभिन्न गतिविधियों के लिए सांकेतिक भाषा का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जा सकता है। औषधीय पौधों की पहचान और इन पौधों के गुणों के बारे में बातचीत को विभिन्न भाषाओं में साझा किया जा सकता है। इन पौधों के लिए विभिन्न भाषाओं में लेबलिंग भी की जा सकती है यदि ये विद्यालय परिसर में उपलब्ध हैं।
5. किसी विशेष क्षेत्र के लिए विशिष्ट शब्दावली का उपयोग करके क्षेत्र के विभिन्न मौसमों, पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में कहानी सुनाने के लिए एक कहानीकार/सामुदायिक व्यक्ति/अभिभावक को स्कूल में आमंत्रित किया जा सकता है।
6. स्कूल में इस्तेमाल होने वाली भारतीय भाषाओं में प्रश्नोत्तरी का आयोजन।
7. विभिन्न वन्यजीव संरक्षण परियोजनाओं पर वीडियो जो विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध हैं, इन्हें छात्रों को दिखाया जा सकता है। अगर छात्रों को वे वीडियो/वृत्तचित्र दिखाए जाएंगे तो यह सराहनीय होगा। अपरिचित भाषा और उनसे सामग्री का अनुमान लगाने के लिए कहें।
8. छात्र विभिन्न पर्यावरण अनुकूल गतिविधियों जैसे खाद बनाना, कचरा कम करना आदि में शामिल हो सकते हैं, जहां विशेषज्ञ विभिन्न भाषाओं में प्रक्रिया का प्रदर्शन करेंगे।
9. बुलेटिन बोर्डों पर परिचित और अपरिचित भाषाओं में स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के विवरण की प्रस्तुति।

सप्ताह दो

साहित्य

1. परिचित भाषाओं के बाद किसी अन्य भाषा में कहानियों का वर्णन।कोड-मिश्रण और कोड स्विचिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
2. लेखक का दौरा: छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए राज्य की भाषा में लिखने वाले स्थानीय लेखकों को आमंत्रित करें। वे अपने अनुभव साझा कर सकते हैं, अपनी किताबों के अंश पढ़ सकते हैं और प्रश्नोत्तर सत्र में भाग ले सकते हैं।
3. विभिन्न भाषाओं में परिचित और अपरिचित शब्दों/वाक्यांशों को लिखना।

4. विभिन्न भाषाओं में कविताओं का पाठ करना।
5. छात्रों को विभिन्न भाषाओं में कहानियाँ बनाने के लिए कहा जाएगा।
6. स्थानीय पुस्तकालयों, संग्रहालयों या राज्य की साहित्यिक विरासत से संबंधित ऐतिहासिक स्थलों की यात्राएं आयोजित करें। छात्रों को अपने अनुभव लिखने के लिए कहा जाएगा।
7. विभिन्न भाषाओं में भावनाओं और विचारों को व्यक्त करना।
8. पत्र/कहानियाँ लिखना और (https://anuvadini.aicte-india.org) AICTE द्वारा विकसित अनुवादिनी का उपयोग करके विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करना।
9. सहपाठियों, शिक्षकों, दोस्तों और पड़ोसियों के साथ विभिन्न भाषाओं की पुस्तकों का आदान-प्रदान।
10. शब्द अंताक्षरी- इसे एक छात्र को अपने परिवेश से किसी भी शब्द को किसी परिचित भाषा में बोलने के लिए कहकर खेला जा सकता है और अन्य छात्र उस विशेष शब्द को एक अलग भाषा में बताएंगे।
11. शिक्षक राज्य भाषा में एक लोकप्रिय कहानी/कविता/नाटक का चयन कर सकते हैं और ध्वनि मॉड्यूलेशन और भावों के साथ ऊंची आवाज में पढ़ सकते हैं। एक ही कहानी/कविता/नाटक का अनुवाद विभिन्न भाषाओं में पढ़ा जाएगा। अपरिचित भारतीय भाषा की लिपि भी पढ़ी जा सकती है। यदि संभव हो तो अनुवाद के साथ छात्रों के साथ साझा किया जाए।

सप्ताह तीन

भोजन

1. एक बाज़ार स्थापित किया जा सकता है और मसालों को उनके नाम के साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं में प्रदर्शित किया जा सकता है।
   - मसालों के चित्रों का भी उपयोग किया जा सकता है।
   - नाम 3-4 भारतीय भाषाओं में हो सकते हैं।
   - वरिष्ठ विद्यार्थियों को मसालों के वैज्ञानिक नामों के बारे में भी बताया जा सकता है।
   - जैसा कि पिछली गतिविधि में बताया गया है, उसी तरह दालों, अनाजों, बाजरा आदि के लिए बाज़ार स्थापित किया जा सकता है।
2. शिक्षक छात्रों से विभिन्न राज्यों के व्यंजनों को प्रदर्शित करने/उनके बारे में बोलने के लिए कह सकते हैं।
3. भारतीय रसोई में विभिन्न प्रकार के बर्तनों का उपयोग किया जाता है और उनका आकार, जिस सामग्री से वे बनाए जाते हैं और उपयोगिता एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है। शिक्षक छात्रों को यह समझा सकते हैं।
4. अलग-अलग भारतीय रसोई में अलग-अलग खाना पकाने की तकनीकों का उपयोग किया जाता है। वे भूनने, पकाने, भाप में पकाने, तलने और कई अन्य तरीकों से भिन्न होती हैं। छात्रों को कम से कम 2-3 अलग-अलग भाषाओं में इन खाना पकाने की तकनीकों पर चर्चा करने के लिए कहा जाएगा।
5. समृद्ध सांस्कृतिक विरासत जो विभिन्न राज्यों का अभिन्न अंग है, उसमें खाना पकाने, परोसने और खाने से जुड़े कुछ विशिष्ट रीति-रिवाज भी हैं। ऐसे कुछ रीति-रिवाज केवल त्योहारों या अन्य विशेष अवसरों के दौरान ही अपनाए जाते हैं। शिक्षक इन पर चर्चा शुरू करेंगे विशिष्ट रीति-रिवाज। छात्रों को समूहों में विभाजित किया जाएगा और फिर वे उस विशेष राज्य की भाषा में इन रीति-रिवाजों के बारे में बात करेंगे, जहां यह प्रथा है।
6. छात्रों से जीवनशैली में बदलाव के कारण भोजन से संबंधित शब्दावली में होने वाले परिवर्तनों के बारे में उनके दादा-दादी और पड़ोस के वरिष्ठ नागरिकों के दृष्टिकोण को जानने के लिए कहा जा सकता है।

सप्ताह चार

अपने आस-पास को जाने

अंत:विषय गतिविधियाँ

1. छात्रों को अपने क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों/इमारतों की पहचान करने और समुदाय के लोगों से उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि जानने और फिर जो कुछ भी उन्हें बताया गया है उसे कम से कम दो भाषाओं में लिखने के लिए कहा जा सकता है। बाद में सभी छात्रों को स्थानीय इतिहास सुनाया जा सकता है।
2. छात्रों को स्मारकों, ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण इमारतों में ले जाया जा सकता है ताकि वे इमारत की वास्तुकला, सामग्री आदि का अवलोकन कर सकें और उस विशेष क्षेत्र की शब्दावली का उपयोग करके अपने सहपाठियों और स्थानीय लोगों के साथ इस बारे में बातचीत कर सकें।
3. छात्रों के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों का दौरा आयोजित किया जा सकता है और उन्हें विभिन्न भारतीय भाषाओं में विभिन्न किताबें/समाचार पत्र/पत्रिकाएं/पांडुलिपियां दिखाई जा सकती हैं। शिक्षक विभिन्न संगठनों के माध्यम से भी इन पुस्तकों की व्यवस्था कर सकते हैं।
4. वरिष्ठ छात्रों द्वारा पड़ोस का सर्वेक्षण किया जा सकता है। छात्र निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर जानकारी एकत्र करेंगे। परिवार के सदस्यों द्वारा बोली जाने वाली भाषाएँ।

   पिछले 25 वर्षों में शब्दावली में जुड़े नए शब्द।

सप्ताह पाँच

मेरा स्कूल

1. एक देशभक्ति गीत/प्रार्थना/मूल्य आधारित गीत एक अलग भारतीय भाषा में तैयार किया जा सकता है। इसे स्कूल में सुबह की सभा में गाया/सुनाया जा सकता है।
2. छात्रों को असेंबली के दौरान विभिन्न निर्देश दिए जाते हैं। ये निर्देश विभिन्न भारतीय भाषाओं में दिए जा सकते हैं। गतिविधि-पूर्व अभ्यास के रूप में, छात्रों को असेंबली से एक दिन पहले इन निर्देशों के बारे में सूचित किया जा सकता है।
3. अधिकांश स्कूलों में स्कूल के विभिन्न क्षेत्रों को आमतौर पर एक ही भाषा में चिह्नित किया जाता है। इन क्षेत्रों को 2-3 अलग-अलग भाषाओं में चिह्नित/लेबल किया जाए।
4. स्कूलों में डिस्प्ले बोर्ड संचार का एक शक्तिशाली माध्यम हैं। इन बोर्ड में कुछ जानकारी होती है जिसे डिस्प्ले बोर्ड के दूसरे भाग में किसी अन्य भारतीय भाषा में अनूदित किया जा सकता है।
5. हर सुबह, छात्रों को एक चयनित भारतीय भाषा में तैयारी करने और दूसरों का अभिवादन करने के लिए कहा जा सकता है। कुछ वाक्य जो किसी भी बातचीत का प्रारंभिक हिस्सा होते हैं, उन्हें भी जोड़ा जा सकता है।
6. आमतौर पर एक छात्र द्वारा स्कूल, स्कूल क्लब, विद्यार्थी परिषद, हाउस प्रीफेक्ट आदि के हिस्से के रूप में एक प्रतिज्ञा ली जाती है। यह प्रतिज्ञा विभिन्न भारतीय भाषाओं में ली जा सकती है।
7. स्कूल के 'लोगो' में आमतौर पर एक शीर्ष पंक्ति होती है। इस टैग-लाइन का 2-3 भारतीय भाषाओं में भी अनुवाद किया जा सकता है।
8. स्कूल छात्रों को नियमों और विनियमों, क्या करें और क्या न करें के बारे में सूचित करता है, इनका विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद भी किया जा सकता है। (कम से कम 1-2)

9. सप्ताह के एक दिन को 'गौरवान्वित भारतीय दिवस' के रूप में नामित किया जा सकता है और छात्रों को भारतीय पोशाक पहनकर आने और उस पोशाक से जुड़ी भाषा में बोलने के लिए कहा जा सकता है।
10. 'भाषा संगम' एक ऐसी पुस्तक है जो बहुभाषावाद को बढ़ावा देती है। बच्चों को इस पुस्तक से कम से कम पांच वाक्य सीखने के लिए कहा जा सकता है।
11. छात्रों को कक्षाओं में विभिन्न भाषाओं में संक्षिप्त घोषणाएं करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। शिक्षक इसके लिए समूह बना सकते हैं इसका उद्देश्य प्रत्येक समूह को एक अलग भाषा देना है।
12. छात्रों को समूहों में विभाजित किया जाएगा और किसी विशेष भाषा में प्रसिद्ध पुस्तकों के नाम और अन्य जानकारी एकत्र करने के लिए कहा जाएगा। फिर, अनुवर्ती अभ्यास के रूप में, वे विभिन्न भारतीय भाषाओं में प्रसिद्ध पुस्तकों के लिए एक कैटलॉग तैयार करेंगे। वे ब्राउज़ कर सकते हैं साहित्य अकादमी की वेबसाइट।
13. शीर्षक कवर पृष्ठ और पुस्तक की समीक्षा को स्कूल पुस्तकालय में एक प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया जा सकता है।

सप्ताह छह

मूल्य

1. छात्रों को अभिवादन, (नमस्ते, शुभ रात्रि आदि) कम से कम उन भाषाओं के अलावा, अन्य भाषाओं में सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, जो वे पहले से जानते हैं।
2. किसी नागरिक के अधिकारों और कर्तव्यों को विभिन्न भाषाओं में लिखा जा सकता है और स्कूल में बुलेटिन बोर्ड या किसी अन्य उपयुक्त क्षेत्र पर प्रदर्शित किया जा सकता है।
3. छात्रों को स्कूल की आचार संहिता, नियम और विनियम और स्कूल में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे दो अलग-अलग भाषाओं में बताने के लिए कहा जा सकता है। छात्र इन नियमों को पूरे स्कूल में भी पढ़ेंगे।
4. छात्रों को अलग-अलग भाषाओं में अलग-अलग मूल्यों (समय की पाबंदी, अनुशासन, दृढ़ता, दयालुता, सहनशीलता आदि) के लिए शब्द ढूंढने और बातचीत में बोलना सीखने के लिए कहा जा सकता है।
5. सभी छात्रों को प्रसिद्ध हस्तियों के विभिन्न मूल्य आधारित बयानों को संकलित करने और उन्हें विभिन्न भाषाओं में लिखने के लिए कहा जा सकता है।
6. छात्रों को विभिन्न भाषाओं में मूल्य आधारित कहानियां/कविताएं/लोक कथाएं सुनाए गए नाटक/गीत दिखाए और गाए जाएं।
7. मूल्य-आधारित स्क्रिप्ट पर वीडियो छात्रों को एक अलग भारतीय भाषा में कैप्शन के साथ दिखाए जा सकते हैं।

सप्ताह सात

संख्यात्मकता एवं गणित

1. बच्चों को उनकी पाठ्यपुस्तकों से पाँच प्रश्न/समस्याएँ अपने शब्दों में लिखने को कहें।
2. विभिन्न भाषाओं में खेल और पहेलियाँ।
3. नामों को अपनी भाषा में क्रमांकित करें।
4. विभिन्न भारतीय भाषाओं में गणितीय शब्द।

सप्ताह आठ और नौ

अपनी प्रतिभा दिखाओ

1. भारत के अधिकांश राज्यों में पारंपरिक वेशभूषा है। शिक्षक कक्षा को समूहों में विभाजित करेंगे और प्रत्येक समूह को भारत का एक राज्य नामित किया जाएगा। छात्र पारंपरिक पोशाक में स्कूल आने का प्रयास करेंगे। उस राज्य की पोशाक और वे उस राज्य में मुख्य रूप से बोली जाने वाली भाषा में पोशाक का वर्णन करेंगे।
2. छात्रों को मोल्डिंग क्ले प्रदान की जाएगी और वे शिक्षक द्वारा निर्दिष्ट किसी विशेष राज्य के पारंपरिक आभूषण या मुखौटे तैयार करेंगे। छात्र इन आभूषणों और मुखौटों का प्रदर्शन करेंगे और इन वस्तुओं की परंपरा, संस्कृति और इतिहास को उस राज्य में मुख्य रूप से बोली जाने वाली भाषा में समझाएंगे।
3. छात्रों को कविता लिखने और फिर उसे स्कूल/शिक्षक द्वारा चुनी गई भाषा में अनुवाद करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्हें प्रौद्योगिकी या शब्दकोशों की मदद से अनुवाद उपकरण का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, यदि वे पुस्तकालय में उपलब्ध हों।
4. छात्रों को समूहों में विभाजित किया जाएगा और उन्हें ऐतिहासिक स्थल/महत्व की इमारत/नदी/झील/वन्यजीव अभयारण्य/राष्ट्रीय पार्क चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। वे इन स्थलों के चित्र एकत्र करें / बनाएं / चित्रित करें और उस राज्य में मुख्य रूप से बोली जाने वाली भाषा में उचित कैप्शन डालें।
5. छात्रों को कठपुतली शो के लिए कठपुतलियाँ तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कठपुतली शो में दो प्रकार की कठपुतलियाँ होंगी, एक वह भाषा बोलती है जिससे छात्र परिचित हैं और अन्य कठपुतलियाँ वह भाषा बोलेंगी जो शिक्षक द्वारा चुनी गई है। यह गतिविधि समूहों में की जा सकती है और कठपुतली शो कक्षा में या सभा के दौरान प्रदर्शित किया जा सकता है।

सप्ताह दस

मेरी सोच और विचार

1. शिक्षक छात्रों को अपने विचार व्यक्त करने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छात्रों को समूहों में विभाजित किया जा सकता है और उन्हें 'मैंने अपना दिन कैसे बिताया' विषय पर एक प्रस्तुति तैयार करने के लिए कहा जाएगा। (शिक्षक द्वारा दिया गया एक राज्य का नाम)। छात्र उस विशेष राज्य में बोली जाने वाली भाषाओं का उपयोग करके यह प्रस्तुति देंगे।
2. शिक्षक छात्रों को कम से कम तीन अलग-अलग भारतीय भाषाओं में 'भारतीय भाषा उत्सव' लिखने के लिए कहेंगे। छात्रों को इन शब्दों को लिखते समय सुलेख का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।
3. छात्रों को भारत के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले मित्रों को भारतीय भाषाओं में पत्र लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
4. छात्रों को समूहों में विभाजित किया जाएगा और वे एक 'रोल-प्ले' निभाएंगे। प्रत्येक समूह भारत के एक राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा। समूह के सदस्य उस राज्य के एक ऐतिहासिक घटना / किसी स्मारक का विवरण / किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति का प्रदर्शन बहुभाषावाद का उपयोग करते हुए करेंगे।
5. छात्रों को 'मेरा देश, मेरा गौरव' विषय पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए कहा जाएगा।
6. प्रत्येक कक्षा ब्लैकबोर्ड या डिस्प्ले बोर्ड पर भारत का एक रूपरेखा रेखाचित्र बनाएगी। छात्र विभिन्न भाषाओं में शुभकामनाएँ लिखने के लिए सुलेख का उपयोग करेंगे।

सप्ताह ग्यारह

पढ़ना और अभिव्यक्ति

- बहुभाषी किताबें जोर-जोर से पढ़ना।
- स्क्रिप्ट के साथ परिचितता विकसित करना।
- विभिन्न भाषाओं में छोटे-छोटे वाक्य लिखना।
- कैप्शन के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्में देखना और कहानी/विचार बताना।
- शास्त्रीय भाषाओं की लिपि, सामग्री से परिचित होना।

सप्ताह बारहवाँ

श्री सुब्रमण्य भारती पर

- उनकी मौलिक कविताएँ और अनुवाद पढ़े।
- कवि और दार्शनिक के रूप में सुब्रमण्य भारती के बारे में पढ़ना और लिखना।
- मूवी और डॉक्यूमेंट्री शो का आयोजन।
- विद्वानों को आमंत्रित करना और विभिन्न भाषा में कार्यक्रम की तैयारी करना।
- कवि की भाषा में 20 वाक्य सीखना।